हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार, 24 मार्च 2025

11 शहीदों की शहादत की बदौलत मतबूत लोकतंत्र...

12 तालाब बहादुर सिंह मार्ग निर्माण के चलते दिनभर रहता है जाम...

36 माह में भी पूरा नहीं हो सका कनीना के लघु सचिवालय का निर्माण कार्य

- जनवरी में किया जाना था हैंडओवर लेकिन कार्य पूरा न होने की वजह से लटका
- अधिकारियों की उदासीनता से ठेकेदार द्वारा कार्य में बरती जा रही ढिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

'अत्याधिक ढील समयबद्ध कार्य पर भारी' ये पंक्ति कनीना में वर्ष 2022 से बनाए जा रहे लघु सचिवालय भवन पर सटीक बैठ रही हैं। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की देखरेख ठेकेदार द्वारा किए जा रहे इस कार्य को नवंबर 2024 में पूरा करने का आश्वासन दिया गया था, उसके बाद जनवरी 2025 की बात कही जाने लगी। जनवरी माह में कार्य पूरा नहीं होने के चलते 15 मार्च का एस्टीमेटिड समय दिया गया। कहने का भाव प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा दी जा रही ढील कार्य पर भारी पड रही है। नवनिर्मित लघु सचिवालय भवन का निर्माण कार्य कछुआ गति से होने के कारण इंटीरियर-फिटिंग का कार्य कितने समय में पूरा होगा। इसे लेकर अधिकारी कुछ बताने की जुगत में नहीं हैं।

बता दें कि तत्कालीन एसडीएम सुरेंद्र सिंह की ओर से बार-बार भवन का निरीक्षण कर ठेकेदार को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए जाते रहे थे। जिसके चलते जनवरी माह के पहले सप्ताह में भवन हैंडओवर करने की बात कही जा रही थी। ठेकेदार ने भी इस नियत अवधि में कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया था। ढिलाई के चलते कार्य लंबित है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के तत्कालीन सीएम मनोहर लाल ने वर्ष 2015 में कनीना महाविद्यालय प्रांगण में आयोजित जनसभा में इसके बजट अलाट करने करने की घोषणा की थी। साल 2019 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद विधायक सीताराम यादव, अभय सिंह व केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और हाईकोर्ट के न्यायधीश की उपस्थिति में 23 मार्च 2022 को इसका शिलान्यास किया गया था। 18 माह में भवन के तैयार होने की बात कही जा रही थी, लेकिन 36 माह का समय बीतने के बाद भी कार्य लटका हुआ है।

कनीना। कनीना में तैयार किए जा रहे नवनिर्मित लघु सचिवालय का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

उपमंडल स्तरीय न्यायालय भवन का निर्माण नहीं हो पाया पूरा

उपमंडल स्तरीय न्यायालय भवन का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हो सका है। बिना उचित भवन के कनीना में संचालित दो नियमित एवं एक साप्ताहिक कोर्ट भी जैसे-तैसे काम चला रही हैं। अधिवक्ता भी गर्मी-सर्दी एवं बारिश में टीनशैड के नीचे बैठकर कार्य करने को मजबूर हैं। लघु सचिवालय का कार्य पूरा होने के बाद आमजन को सुविधा मिलने की उम्मीद है। अटेली हलके की नवनिर्वाचित विधायक एवं प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव द्वारा भवन का उद्घाटन किया जाएगा। एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि निर्माण कर रही कम्पनी को दरवाजे, खिड़की, बिजली-पानी, फिटिंग, रंग-पेंट व फर्नीचर के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

खबर संक्षेप

किडनी फेल होने से टीचर की मौत

नारनौल। किडनी फेल होने से एक प्राइवेट स्कूल टीचर की मौत हो गई। परिजन प्रातःकाल को मालीटिब्बा से टीचर से नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए लेकर आए थे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह कुंड के नजदीक ढाणी कोलाना जिला रेवाड़ी के रहने वाले थे तथा हिंदू हाई स्कूल में टीचर लगे हुए थे। उनके रिश्तेदार पंकज यादव वासी माली टिब्बा ने बताया कि सतीश यादव करीब 51 साल के थे और वह बीमार होने से पहले रेवाड़ी के हिंदू हाई स्कूल में पढ़ाते थे। उन्हें किडनी की प्रॉब्लम थी, जिस कारण उनकी मौत हो गई।

रेडक्रॉस कार्यालय में रक्तदान शिविर कल

नारनौल। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी हरियाणा राज्य शाखा के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी के जन्म दिवस पर रेड क्रॉस समिति की ओर से 25 मार्च को रेड क्रॉस कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। रेडक्रॉस सचिव बलवान सिंह ने बताया कि इस शिविर के साथ-साथ निशुल्क चिकत्सा शिविर भी आयोजित किया जाएगा। लोगों को निशुल्क परामर्श प्रदान कर निशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई जाएंगी।

खेमादास मेले में महिला से हुई चेन स्नेचिंग

कनीना। गांव बवानिया में आयोजित मेले में एक महिला के साथ चेन स्नेचिंग की घटना घटित हो गई। इस बारे में पीड़िता के पति जगरूप ने दौंगड़ा अहीर पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि बाबा खेमादास मंदिर खुडाली में आयोजित मेले में गई उनकी पत्नी जब कतार में खड़ी थी, उस दौरान अज्ञात महिला ने उनकी चेन तोड़ ली। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर महिलाओं का झुंड दिखाई दिया, जिनमें शामिल महिला ने चेन तोड़ने की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

ग्रामीणों का आक्रोश भांपकर डिपो होल्डर दुकान छोड़कर हुआ फरार

एक किलो राशन कम तोलने व 45 रुपये का वाशिंग पाउडर थोपने का आरोप, डिपो को लगाया ताला

- मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का दिया आश्वासन, डीसी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

गांव दौंखरा में डिपो होल्डर द्वारा पांच किलोग्राम राशन पर एक किलोग्राम अनाज कम तोलने का मामला उजागर हुआ है। राशन के साथ 45 रुपये का वाशिंग पाउडर जबरन थोपता हुआ पकड़ा गया है, जिससे गुस्साएं ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया। उपभोक्ताओं के आक्रोश को भांपकर डिपो संचालक फरार हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने विभागीय अधिकारियों की मार्फत कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया, जिससे संतुष्ट होकर ग्रामीण अपने घरों को लौटे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा भेडंटी के राशन वितरक को दौंखेरा गांव में भी सरकारी राशन बांटने की जिम्मेवारी सौंपी है। बीते सप्ताह राशन की सप्लाई होने के बाद पहले भेडंटी गांव के उपभोक्ताओं को राशन दिया गया था। अब शनिवार से दौंखेरा में राशन वितरण करना शुरू किया है।

उपभोक्ताओं को चूना लगाने के मकसद से धर्मकांटे में गड़बड़ी करके पांच किलोग्राम राशन पर एक किलोग्राम अनाज कम तोल रहा है। डिपो से 20 किलोग्राम अनाज लेकर घर पहुंचे एक उपभोक्ता को वजन पर संदेह हो गया।

उन्होंने घर के कांटे पर दोबारा तोल किया। जिसमें पांच किलोग्राम अनाज कम होने की पुष्टि होते ही वापस डिपो पर पहुंच गया। उन्होंने अन्य लोगों के राशन का दूसरे कांटे पर दोबारा वजन कराया, जिसमें वजन कम होने पर डिपो होल्डर से संपर्क किया।

10-12 लोगों ने कांटे का निरीक्षण किया तो पाया कि तकनीकी सहायता से एक किलोग्राम वजन कम तोला जा रहा है। गुस्साए लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। जिस पर दबंगई दिखाते हुए डिपो होल्डर ने सरकारी काम में बाधा पहुंचाने की शिकायत दर्ज कराने का डर दिखाया। लेकिन इस चेतावनी से ग्रामीणों का आक्रोश कम नहीं हुआ तथा सरकार विरोधी नारेबाजी करनी आरंभ कर दी। शिकायत मिलने पर नांगल चौधरी पुलिस मौके पर पहुंची।

जिसे देखकर डिपो होल्डर दुकान छोड़कर खेतों की तरफ भाग गया। ग्रामीणों ने पुलिस की मौजूदगी में डिपो होल्डर का राशन व नकदी को उसके परिजन के सुपुर्द किया। साथ ही उन्होंने सोमवार को उपायुक्त, एसडीएम तथा विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया। ग्रामीणों को डिपो होल्डर के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत देकर लौट गई।

नांगल चौधरी। राशन कम तोलने का आरोप लगाते हुए हंगामा करते ग्रामीण व ग्रामीणों की शिकायत मिलने पर डीपो होल्डर व अन्य उपभोक्ताओं ने पूछताछ करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

दो घंटे राशन वितरण करके बंद कर देता है दुकान

ग्रामीणों ने बताया कि डिपो होल्डर भीड़ को एकत्र करके राशन बांटता है ताकि जल्दबाजी के चलते लोग राशन तुलाई पर ध्यान केंद्रित नहीं करें और वाशिंग पाउडर खरीदने में आनाकानी नहीं करें। वितरण प्रक्रिया के दौरान बोलता है कि यहां केवल आज ही राशन वितरण हो पाएगा, कल से राशन के लिए भेडंटी आवास पर आना पड़ेगा। एक किलोमीटर का चक्कर बचाने के लालच में उपभोक्ता बिना विरोध किए वाशिंग पाउडर खरीदने को मजबूर होते हैं।

कम तुलाई करना संगीन अपराध जांच करके करेंगे कार्रवाई

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निरीक्षक रवि कुमार ने बताया कि दौंखेरा में डिपो होल्डर द्वारा राशन की कम तुलाई करना तथा वाशिंग पाउंडर खरीदने के लिए उपभोक्ताओं को बाध्य करने की शिकायत नहीं मिली है। सोमवार को मौका निरीक्षण करके उपभोक्ताओं के बयान दर्ज करेंगे। साथ ही कांटे की जांच भी की जाएगी। कार्रवाई के लिए रिपोर्ट को डीएफएससी कार्यालय में भेजी जाएगी। डिपो होल्डर को अनाज मुफ्त में बांटने तथा चीनी व तेल के 55 रुपये वसूलने की हिदायत है।

45 रुपये का वाशिंग पाउंडर खरीदना अनिवार्य

कृष्ण कुमार, लालचंद, खुशीराम, कैलाश, सुरेश कुमार, बाबूलाल, महेंद्र सिंह व पप्पू कुमार ने बताया कि डिपो होल्डर ने राशन के साथ 45 रुपये का वाशिंग पाउंडर खरीदना अनिवार्य कर दिया। कारण पूछने पर तर्क देता है कि सरकार ने सप्लाई के साथ भेजा है। बीते करीब एक साल से गरीबों के राशन के साथ अवैध कारोबार हो रहा है। शिकायत करने की चेतावनी देने पर राशन कार्ड कटवाने का डर दिखाता है। जिससे गरीब वर्ग के लोगों में डर और चिंता का माहौल बना हुआ है। दूसरी तरफ डिपो होल्डर ने राशन तोल में धांधली के आरोपों को निराधार बताया है। कहा है कि खुले पैसे नहीं होने के कारण वाशिंग पाउंडर देने की पेशकश की है, जबरन किसी को दिया नहीं है। उन्होंने बताया कि धर्मकांटे की जिला प्रशासन जांच कर सकता है।

चांदूवाड़ा में दूसरे दिन भी सुनाई गई श्रीमद्भागवत कथा

नारनौल। मोहल्ला चांदूवाड़ा स्थित रामलीला मैदान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन रविवार को मुख्य यजमान भगवत स्वरूप गोस्वामी व पत्नी शशिबाला और रमेश चंद शर्मा एवं पत्नी प्रेमलता के अलावा जजमान बने देवेंद्र व वर्षा देवी, ललित भारद्वाज व रेखा देवी, जयप्रकाश अग्रवाल व रुक्मणी देवी, विजय यादव व सुमन देवी को वेद मंत्रणों सहित श्रीमीद् भागवत का पूजन करवाया। यह पूजन आचार्य राजेश बोहरा, पंडित राजेंद्र, पंडित गगन,पंडित देवेंद्र, पंडित भूपेश व पंडित खुशहाल ने करवाया। कथा व्यास पंडित नवीन कौशिक ने कथा में बताया कि जब-जब धर्म की हानि होती है, तब तब भगवान अवतार लेते हैं। भगवान के 24 अवतारों की कथा सुनाई। शुकदेव जी के जन्म की कथा का वर्णन किया। श्रीमद् भागवत महापुराण कोई पुस्तक नहीं है, साक्षात श्रीकृष्ण भगवान का विग्रह है। मेरे ठाकुर जी इसमें निवास करते हैं। कथा व्यास ने बताया कि किस प्रकार गर्भ में परीक्षित राजा की ठाकुरजी ने रक्षा की थी।

एक करोड़ की ठगी : अब तक 16 गिरफ्तार, टेलीग्राम पर ऑनलाइन वर्क का झांसा देकर चल रहा फ्रॉड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- साइबर थाना की टीम ने ठगी में संलिप्त दो ओर आरोपितों को किया गिरफ्तार

साइबर थाना की टीम ने साइबर फ्रॉड के मामले में संलिप्त दो ओर आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित टेलीग्राम टास्क/टेलीग्राम पर ऑनलाइन कार्य का झांसा देकर साइबर फ्रॉड करने मामले में संलिप्त थे। आरोपितों की पहचान कमल वासी उकलाना हिसार और सुरेश वासी बनगांव थाना भट्टूकलां फतेहाबाद के रूप में हुई है। मामले की जांच में पुलिस ने पता लगाया कि आरोपित खाते उपलब्ध कराने और फ्रॉड की राशि को ट्रांसफर करने का काम करते थे। आरोपितों को रविवार न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आरोपित कमल को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और आरोपित सुरेश को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपित से पूछताछ की जा रही है। इस मामले में पहले ही 14 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस ने आरोपितों से 20 हजार, 24 मोबाइल, चार लैपटॉप, 44 एटीएम कार्ड, 15 चेकबुक, आठ कैशबुक, छह पासबुक, नौ सिम कार्ड व अन्य सामान बरामद किया था।

गांव खैराना वासी शिकायतकर्ता सुनील कुमार ने साइबर फ्रॉड की दी शिकायत में बताया है कि वह भारतीय सेना से सेवानिवृत है। नौ जुलाई को उसको टेलीग्राम पर ऑनलाइन वर्क के संबंध में एक मैसेज प्राप्त हुआ और घर बैठे ऑनलाइन वर्क करने की प्रक्रिया के बारे में बतलाया। इसके बाद उसके पास 12 जुलाई को एक वेबलिंक भेजा, शिकायतकर्ता ने उस लिंक पर क्लिक किया तो एक वेबसाइट खुल गई।

31 मार्च 2023 को समाप्त हो गया था एजेंसी का टेंडर

शहर से निकलने वाले कूड़े का होगा निदान, डपिंग यार्ड में कूड़ा हो रिसाइकिल

- शहर प्रतिदिन निकलता है करीब 12 टन गीला व सूखा, प्लांट में प्रतिदिन करीब 20 टन सूखे कचरे का किया जाएगा रिसाइकिल
- डपिंग यार्ड में खड़े से कूड़े के बड़े-बड़े पहाड़

महेश कुमार ▶▶| महेंद्रगढ़

नगर पालिका ने शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए एक कदम बढ़ाया है। शहर से निकलने वाले कचरे का अब देवास रोड स्थित डंपिग यार्ड में रिसाइकिल किया जाएगा। इसको लेकर नपा की ओर से 2.52 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया गया है। जल्द ही सभी कागजी प्रकिया पूरी कर कूड़े का निदान का कार्य शुरू किया जाएगा।

बता दें कि नगर पालिका की ओर से शहर में सभी वार्डों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन किया जाता है। वाहनों के माध्यम से शहर से निकलने वाले कचरे को शहर के देवास रोड स्थित डपिंग यार्ड में एकत्रित किया जाता है। निजी कंपनी के टेंडर की समयावधि 31 मार्च 2023 को समाप्त हो चुकी है।

डोर टू डोर कूड़े का कलेक्शन

करीब एक वर्ष से एक निजी कंपनी की ओर से शहर से डोर टू डोर कूड़े का कलेक्शन किया जा रहा है, लेकिन शहर कूड़ा का निदान नहीं हो पा रहा था। ऐसे में डंपिग यार्ड में शहर के निकलने वाले कूडे बड़े-बड़े ढेर लगे हुए है। आने जाने वाले राहगीरों को कूड़े से आने वाली दुर्गंध से परेशानी होती है। वहीं डंपिग यार्ड में कूड़ा ड़ालने की जगह नहीं बची है। ऐसे में वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अब रिसाईकिल का टेंडर होने के बाद प्रतिदिन शहर के निकलने वाले कूड़े का निदान किया जाएगा।

महेंद्रगढ़। नगर पालिका मुख्यद्वार। फोटो : हरिभूमि

शहर से निकलता है प्रतिदिन 12 टन कचरा

महेंद्रगढ़ शहर में 15 वार्ड है। 11 वाहनों के माध्यम से पूरे शहर से डोर टू डोर कूडा कचरा एकत्रित करना होता है। इनमें से छह ठेकेदार व पांच नगर पालिका के टैंपों है। शहर प्रतिदिन करीब 12 टन गीला व सूखा कचरा निकलता है। शहर से निकलने वाले कचरे को देवास रोड स्थित डपिंग यार्ड में एकत्रित किया जाता है। शहर से निकलने वाले कचरे निवारण नहीं होने के कारण डंपिग यार्ड में बड़े-बड़े ढ़ेर लग गए थे, जिनके दुर्गंध आनी शुरू हो गई थी। कचरा रिसाइकिल होने से काफी फायदा होगा।

प्रतिदिन होता था 15 टन कचरा रिसाइकिल

इससे पहले जिस एजेंसी का कचरा रिसाईकिल का टेंडर था, उस एजेंसी ने डंपिग यार्ड में रिसाइकिल के नया प्लांट लगाया हुआ था। इस प्लांट में प्रतिदिन करीब 15 टन कचरा रिसाइकिल किया जाता था। प्लांट में शहर से निकलने वाले कचरे से पॉलिथीन, प्लास्टिक व अन्य सामान अलग-अलग किए जाते थे तथा कचरे का अलग-अलग करने के बाद वाहनों के माध्यम से गन्नौर जाता था। गन्नौर में शहर के कचरे को डंप किया जाएगा।

जल्द ही शुरू कचरा रिसाइकिल का कार्य

नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी का कहना है कि नपा की ओर से शहर से निकलने वाले कूड़े के लिए निदान के लिए 2.52 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद एजेंसी की ओर से डपिंग यार्ड में शहर से निकलने वाले कूड़े का निदान किया जाएगा।

नीरपुर को नगर परिषद क्षेत्र से बाहर करने की मांग को लेकर सांसद को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नगर परिषद के वार्ड छह व सात में शामिल गांव नीरपुर को नगर परिषद क्षेत्र से बाहर निकालने की मांग को लेकर आज पार्षद आशा यादव व ग्रामीणों ने सांसद धर्मवीर सिंह व स्थानीय विधायक को ज्ञापन सौंपा

ज्ञापन में कहा गया है कि लगभग तीन साल पहले नगर परिषद नारनौल के क्षेत्र में कुछ नये गांव शामिल किए गए थे, जिनमें गांव नीरपुर भी शामिल है। गांव नीरपुर को वार्ड नंबर छह और वार्ड नंबर सात में बांट दिया गया है। वार्ड नंबर सात में कुछ हिस्सा सुभाष नगर का भी शामिल हुआ है जो पहले वार्ड नंबर एक में आता था। वर्तमान में सुभाष नगर के अधिकांश रास्ते कच्चे है और ना ही नीरपुर व सुभाष नगर में अभी तक सीवर लाइन व पीने के पानी की लाईन उपलब्ध हुई है।

गांव नीरपुर नगर परिषद मुख्यालय से पांच से छह किलोमीटर दूरी पर है और नारनौल शहर और नीरपुर के बीच मे कृष्णावती नदी व रिजर्व फॉरेस्ट एरिया भी लगता है। जिससे गांव में शहरी सुविधाएं मिलना बहुत मुश्किल है। पंचायत के समय गांव अपने संसाधनों से संपन्न था, लेकिन अब नगर परिषद में शामिल होने की वजह से विकास के मामले में गांव नीरपुर के हालात काफी ख़राब हो चुके है जबकि पंचायत के समय में गांव काफी सक्षम था। 2021 से पहले नगर परिषद नारनौल के अन्दर सिर्फ़ 25 वार्ड थे, आज तक वो भी विकास से वंचित है। गांव नीरपुर को नगर परिषद में शामिल हुये लगभग तीन साल होने को है लेकिन गांव नीरपुर में अभी तक ना तो कोई विकास कार्य हुए है और ना ही कोई शहरी सुविधा मिली है। सफ़ाई व्यवस्था का बुरा हाल है नगर परिषद नारनौल की हाउस की बैठक में भी गाँव नीरपुर को नगर परिषद नारनौल से बाहर करने का प्रस्ताव भी पास हो चुका है। इसलिये या तो गांव को सभी शहरी सुविधाएं प्रदान करें या फिर गांव नीरपुर को नगर परिषद नारनौल की सीमा से बाहर निकालने का कष्ट करें। इस अवसर पर संदीप राव एडवोकेट, छाजूराम यादव व सुमेर कांडा आदि भी उपस्थित थे।

नारनौल। गांव नीरपुर को नगर परिषद क्षेत्र से बाहर करने की मांग को लेकर सांसद को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

खोखराकोट

रोहतक शहर में खोखराकोट, एक प्राचीन स्थल है, जिसका उल्लेख महाभारत में मिलता है और यह यौधेय गणराज्य की राजधानी थी। इसकी खुदाई में 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व से 11वीं शताब्दी ईस्वी तक की वस्तुएं मिली हैं, जो इसकी प्राचीनता को दर्शाती हैं। खोखराकोट से यौधेय शासनकाल के सिक्के और मुहरें मिली हैं, जो प्राचीन भारत में सिक्के ढालने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हैं। रोहतक को पहले रोहतासगढ़ कहा जाता था और यह नाम दो पुराने स्थलों के खंडहर स्थलों (खोखराकोट) पर लागू होता है।

हरिभूमि
रोहतक, सोमवार, 24 मार्च 2025

लोक साहित्य की धरोहर हैं पं. रामसरूप सिटावली

सांगी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणवी का लोक साहित्य समृद्ध रहा है, जिसकी परम्परा बड़ी वैभवशाली है। इसमें हमेशा से सांग और भजन विशेषतः उल्लेखनीय रहे हैं। प्राचीन काल से ही भजनियों के द्वारा समाज के बीच जाकर भजनों से जागृति पैदा करने का रिवाज रहा है। जबकि हरियाणा की प्रसिद्द नाट्य विधा सांग के माध्यम से साँगियों ने जन-मानस के मनोरंजन के साथ-साथ ऐतिहासिक और पौराणिक कथानकों से उन्हें अवगत करने का प्रशंसनीय कार्य किया है।

हरियाणा के सुप्रसिद्ध सांगियों की इस गौरवशाली परम्परा में ही एक नाम है पंडित रामसरूप भारद्वाज सिटावली। पंडित रामसरूप भारद्वाज का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के गाँव सिटावली में 16 मार्च 1916 को हुआ। जनमानस में रामसरूप सिटावाली के नाम से जाने-जाने कवि पंडित रामसरूप का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम पंडित बदलूराम और माता का नाम भागोदेवी था। उन्होंने सोनीपत जिले के गाँव जुआं के राजकीय विद्यालय से आठवीं तक की पढ़ाई पूरी की। युवावस्था में इनका विवाह छोटी देवी के साथ संपन्न हुआ। इनके तीन लड़के पंडित दयानंद शर्मा, पंडित राम रतन शर्मा, पंडित राजेंद्र शर्मा व दो लड़कियां राममूर्ति देवी और लक्ष्मी देवी हुई। पंडित रामसरूप बचपन से ही पढ़ने में बहुत होशियार थे। उनका नाम कक्षा के मेधावी छात्रों में लिया जाता था। उन्होंने बचपन से अपने मन के भावों को कविता के रूप में अभिव्यक्त करना शुरू कर दिया था। उनकी आवाज भी मधुर और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाली थी। उन्हीं दिनों को याद करते हुए एक बार उनके सहपाठी रहे मास्टर नवल सिंह और गामड़ी निवासी टीका राम ने बताया था कि एक बार सुप्रसिद्ध कवि पंडित

लख्मीचंद सांग करने के लिए गांव सिटावली आए हुए थे। उनके सांगों को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते थे, एक दिन पंडित रामसरूप भी वहां चले गए। पंडित लख्मीचंद का सांग देखकर वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने पंडित लख्मीचंद को गुरु धारण कर लिया। जब पंडित लख्मीचंद के कहने पर रामसरूप ने गुरु वंदना करके गाना शुरू किया तो वे बहुत प्रभावित हुए और उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। पंडित रामसरूप के सांग बहुत ही लोकप्रिय रहे। वे अपने समय के बेजोड़ सांगी रहे और उनकी प्रस्तुति पर लोग झूम उठते थे। पंडित रामसरूप ने अनेक सांगों का मंचन किया। वे अपने सांगों में नई-नई बात सुनाते थे जिससे प्रभावित होकर स्वयं उनके गुरुदेव पंडित लख्मीचंद ने उनका नाम 'बिघनी' रख दिया था। उन्होंने इस संबंध में अपनी एक रचना में उल्लेख किया है...

श्री लख्मीचंद गुरु ने धरया बिघनी नाम छांट कै
रामसरूप सिटावली आलां मारै तरले पाट कै।

उन्होंने लगभग दस सालों तक जनमानस के लिए सांग और भजन की प्रस्तुति मंचों से दी। लेकिन दुर्भाग्यवश उनका गला खराब हो गया और उन्होंने सांग करना छोड़ दिया। आजीविका चलाने के लिए पंडित रामसरूप पंडित चिरंजी लाल वकील जो कि पूर्व स्पीकर रहे कुलदीप शर्मा के पिता थे, उनके यहां मुंशी के पद पर काम करते थे। उसी दौरान एक दिन पंडित रामसरूप कुछ लिख रहे थे कि इतने में बाहर से चिरंजीलाल आ गए तो उन्होंने वह कागज अपनी जेब में डाल लिया। इस पर चिरंजीलाल ने कहा कि कविराज! मुझे भी दिखाओ, ऐसा क्या लिख रहे थे जो आप मेरे आते ही छुपा रहे हो तो पंडित रामसरूप ने मना किया। पर बार-बार आग्रह करने पर वह कागज़ उन्हें दे दिया जिस पर लिखा था....

जुलम करै या गवर्नमेंट दे दे पास वकीलां नै
सच पूछो तो भारत देश का कर दिया नास वकीलां नै

यह पढ़कर चिरंजीलाल ने उनकी बहुत सराहना की और बोले आपने बिल्कुल सच्चाई लिखी है। इसके बाद वर्षों तक उनका लेखन जारी रहा। स्वास्थ्य खराब होने के चलते 10 दिसंबर 1976 को पंडित रामसरूप का निधन हो गया। पंडित रामसरूप ने अनेक भजन ,उपदेशक, ब्रह्म ज्ञान के छंद, सोरठे व सांगों की रचना की है। उनके द्वारा जुलाई 1968 में प्रकाशित 'सांगीत कृष्ण का भात' कृति के पृष्ठ आवरण के अनुसार उन्होंने कृष्ण का भात, नल का जन्म, मंदा रानी का दिसोटा (भाग एक), नल गजमोतिन, नरसी का भगत, सती मनोरमा (भाग एक और दो), बजरंग दे (भाग एक और दो), नर सुल्तान निहाल दे (भाग एक,दो और तीन), निहालदे के परवाने, निहालदे सती, सती शीलादे (भाग एक और दो), कृष्ण रुक्मणी सांगों की रचना की। इसके अतिरिक्त हीर रांझा, बीजा सोरठ सांगों की भी लिखें हैं। पंडित रामरतन शर्मा जो पंडित रामसरूप के बेटे हैं और उनकी रचनाओं को समाज की अमानत मानकर सहेजे हुए हैं, के अनुसार उनके द्वारा बनाए गए सांग चंदा भाई, रघुवीर कौर और धर्मपाल शांता कुमारी सांग आज उपलब्ध नहीं हैं।

गौरतलब है कि पिता के संस्कारों के ही प्रभाव से रामरतन शर्मा भी हरियाणवी भजन और रागनियों की रचना करते हैं और एक कवि के रूप में प्रतिष्ठित हैं। पंडित रामसरूप के लिखे सांग और भजन हरियाणा के विभिन्न लोक गायकों द्वारा गाए गये हैं तथा उनकी रचनाएं यूट्यूब पर भी उपलब्ध हैं। रामरतन शर्मा और संस्कृतिकर्मी पंकज शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंडित रामसरूप के शिष्यों में पंडित लक्ष्मीनारायण, जंगली दास, जगन लाल (नैना), फूल सिंह (खेड़ा), चंदगीराम (पिनाना), रामकिशन रोलद (पिनाना), धन्ना सिंह (सनखेड़ा),शेर सिंह (जुआं), सूरजभान (सिटावली) ने नाम शामिल उल्लेखनीय हैं। जबकि पंडित रामस्वरूप के सांगों से प्रभावित होकर कंवर सिंह (निलोठी), रामचरण (गुमड़), रामकिशन (पिनाना), मेहर सिंह (पुरखास) और जिले सिंह (बरोना) भी उनके शिष्य बने।

पंडित लख्मीचंद का सांग देखकर वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने पंडित लख्मीचंद को अपना गुरु धारण कर लिया। जब पंडित लख्मीचंद के कहने पर रामसरूप ने गुरु वंदना करके गाना शुरू किया तो वे बहुत प्रभावित हुए और उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। पंडित रामसरूप के सांग बहुत ही लोकप्रिय रहे। वे अपने समय के बेजोड़ सांगी रहे और उनकी प्रस्तुति पर लोग झूम उठते थे। पंडित रामसरूप ने अनेक सांगों का मंचन किया। वे अपने सांगों में नई-नई बात सुनाते थे जिससे प्रभावित होकर स्वयं उनके गुरुदेव पंडित लख्मीचंद ने उनका नाम 'बिघनी' रख दिया था।

पंडित रामसरूप के रचना संसार में जहां विविधता के दर्शन होते हैं वहीं बेहतरीन काव्य सौष्ठव भी दृष्टिगोचर होता है। जनसामान्य की भाषा को अपने काव्य में मजबूती से प्रयोग करके वे लोगों के मन तक पहुंचते हैं। उनके काव्य में छंद के प्रति उनकी निष्ठा स्पष्ट दिखती है तो अलंकार स्वतः प्रष्फुटित होते प्रतीत होते हैं। उस पर भी आध्यात्म, देशप्रेम, लोकाचार, जन संवेदना और कर्तव्यबोध उनकी रचनाओं की विशेषता रहे हैं। पंडित रामसरूप अपनी पारिवारिक स्थिति और गुरु से प्राप्त सन्देश का उल्लेख करते हुए लिखते हैं...

लख्मीचन्द गुरू जी जो कहगे वाहे होगी बात सही
इब रामसरूप सिटावली आला टोहे जा कोय चीज नई
भाई पांच मरे मेरे आगै माता बी स्वर्ग सिधार गई
क्यां की खात्तर के करना न्यूं सोच हरि की शरण लई

एक रचना में उन्होंने परमात्मा को चेताते हुए लिखा है ...

सबके मन की जाणण आला नाम तेरा यू अन्तरयामी
भगत तेरे की हीणी होज्या वा भी सै तेरी बदनामी

पंडित रामसरूप के जन्म के समय देश गुलामी से त्रस्त था। उस समय की परिस्थियों का प्रभाव भी उनकी लेखनी पर पड़ा है। भगत सिंह की बहादुरी पर वे कहते हैं ...

भगत सिंह नै जब गोला मारया असेम्बली थर्राई
भाज कई कुर्सी नीचै बडगे कदे दे ज्या सकल दिखाई।

देश की आजादी पर उनकी खुशी उनकी रचना के माध्यम से देखिए...

शुभ घड़ी आज आग्यी म्हारी दया करी भगवान नै
गोरे डरते भाज गए छोड़ कै हिन्दुस्तान नै

एक रचना में सामाजिक एकता का सन्देश देते हुए उनकी पंक्तियाँ प्रभावित करती हैं ...

न्यारे-न्यारे पाटण मै ना होवै थारा गुजारा
घणी सींख मिलकै आपस मै सरकादें पत्थर भारा

भारतीय समाज की मान्यता लोकाचार देखें ....

गुरु लख्मीचंद धर्म क्षत्री का रामस्वरूप के याद करवा गऊ ब्राह्मण साधु की खातर जान चली जा तै के परवाशीश कटा कै, गऊ छुटा कै, हो ज्या बात वसूल ....

महाभारत में पांडवों के अज्ञातवास के प्रसंग का वर्णन करते हुए उनका एक दोहा प्रस्तुत है...

सुन सैरन्ध्री की बात को हो गया विश्वास
उत्तरा कुमारी पहुंच गई वृहन्नला के पास

रामायण में कैकेयी की वीरता और राम वनवास का वर्णन करते हुए कहते हैं ...

केकैयी दशरथ गैल्यां आप चढ्या करती रण मै
धुरी टुटी हाथ अडाया पीड घणी हुई तन मै
सही राजी होके बचन भरे थे जो धारण करी थी मन मै
वे बचन मांग फेर कढा दिये थे श्री रामचन्द्र जी वण मै

समाज को सन्देश देते हुए उन्होंने लिखा है .....

भुंडा भुंडी करया करै सदा भले पुरुष के संग
जैसे चन्दन कै लिपटया रहै ना तजता जहर भुजंग
कदे नीच नै छेडै ना चाहे कितना करले तंग
जैसे पत्थर पड़ै कीच मै वो उच्छल बिगाड़ै अंग

पंडित रामसरूप सिटावली के विस्तृत साहित्य संसार से रूबरू होकर निश्चित हो जाता है कि उन्होंने अपने साहित्य से हरियाणवी को समृद्ध बनाने का कार्य किया है। उनकी रचनाएँ समाज को प्रेरित करती हैं। निसंदेह ऐसे लोककवि हरियाणवी लोक साहित्य की धरोहर हैं जो किसी को भी हरियाणवी की ओर आकर्षित करते हैं तथा हरियाणा को गर्वित करते हैं।

कविता

सत्यवीर नाहड़िया

चोल्ला नै बदनाम करैं ये...

चोल्ला नै बदनाम करैं ये, पाप हुवै जो भारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

एक बखत था बाबा पग-पग, फरज निभाया करते।
धरम-करम का मरम खोल कै, वे समझाया करते।
कदे नहीं बहकाया करते, पुज्जैं थे नर-नारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

नये दौर के न्यारे बाबा, नित जो ढोंग फलावैं।
अपणे दुक्ख मिटैं कोन्या पर, जग के दुक्ख मिटावैं।
भगत बावळे बढ़ते जावैं, ढोंग-करम न्यूँ जारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

चेल्ले कम अर चेल्ली ज्यादा, नीयत घणी डिगावैं।
कुछ दिन पाच्छै पोल खुलै तै, बंद जेळ म्हं पावैं।
भोळी जंता नै भरमावैं, बणकै खुद अवतारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

किरपा अटकी कोय उतारै, चटणी हरी खुवाकै।
कोये कष्ट मिटावै सारे, धूळी चरण दिवाकै।
कोये दे ताबीज़ बणाकै, कुछ बण ग्ये ब्योपारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

बोट्टां खात्यर नेत्ता सारे, इन्नै सीस नवावैं।
अंधभगत सभ देक्खा-देक्खी, इन्नै पुज्जे जावैं।
कह 'नाहड़िया' ढोंग रचावैं, कला सीख ल्यी न्यारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

कविता

आशा खत्री 'लता'

पणिहारिण स्याणी

जिस कूए का मीठा पाणी,
उड़े तैं भरै पणिहारिण स्याणी।

जितणा हो उतने मैं सारै,
दुखी करया करै चीज बिराणी।

घर-घर हांडै होठ पीटती,
उसनै कह सब धक्के खाणी।

आपणे घर मैं सुथरी लागै,
आपणे राजा के संग राणी।

माँ बाप्पा की पैड़ पै चालै,
छोटा बालक बेटी याणी।

गैर टैम सज-धज कै लिकड़ै,
लोग कहवैं उसनै गिरकाणी।

भले घरां तैं कदै डिगै ना,
आ बैठ अर मीठी बाणी।

कहै 'लता' ढंग तैं चाल्लै तै,
घर मैं सुरग तार ले प्राणी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक तथ्य

14वीं शताब्दी में यमन के शेखों ने नए किले का निर्माण किया था, जहां वर्तमान में किला मोहल्ला आबाद है

रोहतक नगर के भव्य ऐतिहासिक साक्ष्य आज भी मौजूद

इतिहास

यशपाल गुलिया

रोहतक एक प्राचीन नगर है जिसका साक्ष्य खोखरा कोट स्थल है। खोखरा कोट के उत्खनन से सदियों पुराने सिक्के आदि प्राप्त होते रहे हैं। यहां पर न केवल खोखरों द्वारा निर्मित दुर्ग था बल्कि प्राचीन रोहतक नगर की आबादी भी उसी स्थल के इर्द-गिर्द थी।

विभिन्न पुरातत्वविदों द्वारा समय-समय पर खोजबीन करने पर रोहतक के प्राचीन होने के बारे में साक्ष्य प्राप्त होते रहते हैं। वर्तमान नगर की आबादी सल्तनत काल में स्थानान्तरित हुई प्रतीत होती है। क्योंकि 14वीं शताब्दी में यमन के शेखों ने एक नए किले का निर्माण कर लिया था जहां आजकल किला मोहल्ला आबाद है। उसी किले पर कन्धार के पठानों व शेखों आदि का नियन्त्रण बना रहता था तथा इर्द-गिर्द नई आबादी बस गई। रोहतक के किले पर वर्ष 1412 में मलिक ईदरीश तथा उसके भाई मुबारिज खान का अधिकार था। उस वर्ष सैयद वंश के खिजर खान ने रोहतक के किले पर धावा बोला था जो कई मास के घेरा डालने के बाद सफल हुआ था। लेकिन मलिक ईदरीश ने खिजर खान को एक मुश्त राशि देकर किले पर अपना नियन्त्रण ही बनाए रखा, जो लगभग 20 वर्षों तक रहा। तारीख-ए-मुबारक शाही में उपरोक्त ऐतिहासिक घटनाओं का उल्लेख प्राप्त होता है। उसके बाद मुगल काल में रोहतक परगने का मुखिया शमशेर खां नामक अधिकारी रहा। यद्यपि रोहतक के उस ऐतिहासिक किले के अब कोई अवशेष बाकी नहीं हैं, उस स्थान पर केवल एक मोहल्ला आबाद है। लेकिन 1870 में डेविड बेगलर नामक अंग्रेज ने रोहतक के किले का बाह्य चित्र लिया था जो अभी भी उपलब्ध है। वर्ष 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में भी रोहतक के किले का उपयोग किया गया था, जो ऐतिहासिक पुस्तकों में दर्ज हो गया। किले के आस-पास के निवासी रांघड़ व पठान बबरखां के नेतृत्व में संगठित हो गए और किले मे आवश्यक युद्ध सामग्री इकट्ठी की गई थी। इसका

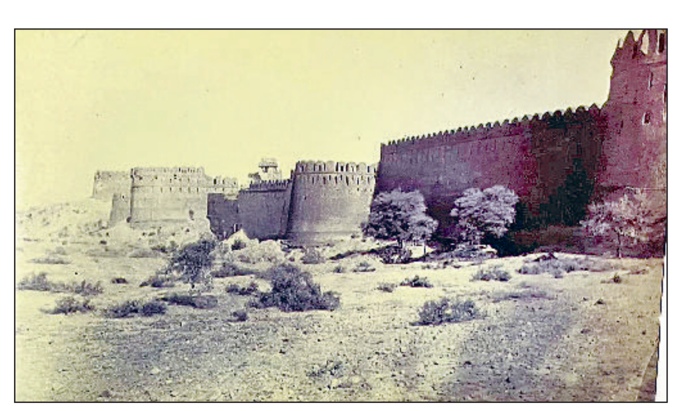

रोहतक के किले का वास्तिवक चित्र जो कि 1870 में एक अंग्रेज द्वारा लिया गया था।

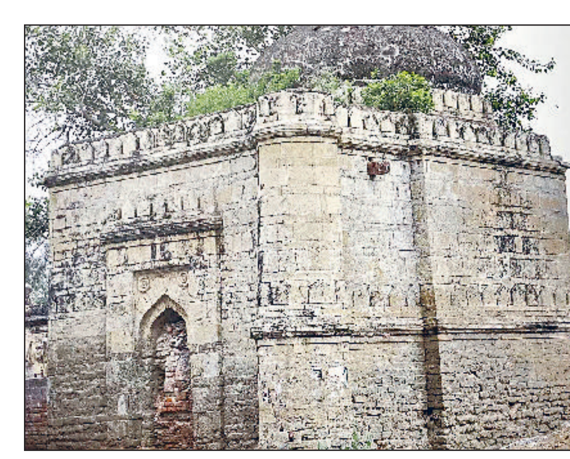

गौकर्ण तालाब के पास 500 वर्ष पुरानी इमारत, जोकि रोहतक के प्राचीन होने का साक्ष्य है। यहां अरबी भाषा में लिखा शिलालेख भी मौजूद है

1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में भी रोहतक के किले का उपयोग हुआ

दिल्ली की रिज पर स्थित अंग्रेजों को पता चला तो उन्होंने हड़सन के नेतृत्व में एक सेना रोहतक आक्रमण के लिए भेज दी। किले में ग्रामीण रांघड़ों के अतिरिक्त बगावत करके आई हुई फर्स्ट लाइट इन्फैंट्री यानि पहली हल्की पैदल सेना बटालियन भी थी। इस प्रकार 17 अगस्त 1857 से 2-3 दिनों तक रोहतक के किले के बाहर अंग्रेज सेना से युद्ध हुआ था। अन्ततः जीन्द राजा द्वारा भेजे गए सैनिकों आदि की सहायता से हड़सन का पक्ष विजयी रहा। उल्लेखनीय है कि फर्स्ट लाइट इन्फैंट्री बटालियन मुख्यतः रोहतक कलानौर क्षेत्रों के रांघडों व पठानों द्वारा गठित थी, जो अंग्रेज सेना का अंग होती थी। इसी प्रकार अंग्रेजों का शासन स्थापित होने पर उन्होंने रोहतक, महम, हांसी तक का क्षेत्र दुजाना के नवाब को प्रदान कर दिया था। लेकिन इस क्षेत्र की जनता से वह लगान वसूल नहीं कर पाया और भिवानी में दुजाना नवाब के लड़के का वध कर दिया। तब बोहर वासियों द्वारा दुजाना नवाब के दामाद का कत्ल कर देने पर नवाब ने इस क्षेत्र का स्वेच्छा से परित्याग कर दिया। 1810 में अंग्रेजों ने भिवानी में इकट्ठे हुए ग्रामीणों के साथ युद्ध किया तथा उपरोक्त समस्त क्षेत्र को 1810 से एक नया जिला बना दिया। इसको शिमाली जिले का नाम दिया गया तथा एडवर्ड गार्डिनर को जिलाधीश बनाकर हांसी मुख्यालय स्थापित किया गया जबकि 1818-1820 में गोहाना-खरखौदा परगनों के स्वत्रन्त्र होने पर अंग्रेजों ने 1824 से रोहतक को एक स्वतन्त्र जिला बना दिया। उल्लेखनीय है कि गोहाना-खरखौदा परगनों पर तब तक सिख शासकों का अधिकार था। इसी प्रकार वर्ष 1858 से झज्जर व बहादुरगढ़ रियासतों के जब्त होने पर रोहतक जिले में फिर से एक बार प्रशासनिक परिवर्तन किया गया था।

सांस्कृतिक विरासत को संजोने में फिल्में अहम : विजय तंवर

कलाकार

ओ.पी पाल

भारत एक संस्कृतिक देश है, जिसमें हरियाणा की समृद्ध संस्कृति का अपना अलग महत्व है, जिसकी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलख जगाने में कलाकार, गीतकार, साहित्यकार और लेखक अपनी अपनी विधाओं में साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही फिल्म जगत में अपनी कला के माध्यम से समाज को अपनी संस्कृति को सर्वोपरि रखने का संदेश देते आ रहे कलाकार विजय तंवर ने अभिनेता के साथ फिल्म निर्देशक की भूमिका में लोकप्रियता हासिल की है। फिल्मों के अलावा धारावाहिक व वेबसीरिज के निर्माण में जुटे फिल्म निर्देशक विजय तंवर ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कुछ ऐसे तथ्यों को भी उजागर किया, जिसमें फिल्मों के क्षेत्र में कला और संस्कृति के आधार पर निर्मित फिल्मों से सामाजिक विरासत को संजोना संभव है।

विजय तंवर का जन्म 15 दिसंबर 1965 को गुरुग्राम जिले के गांव करोला में जगदीश सिंह तंवर और भगवती देवी के घर में हुआ। इनके पिता भारतीय नौसेना में थे। पिता के साथ रहते हुए ही उन्होंने अपनी स्कूली और कालेज की शिक्षा मुंबई में ही ग्रहण की। उनके परिवार में उन्हें अभिनय या संगीत का माहौल तो नहीं मिला, लेकिन वह स्कूल में अपनी म्यूजिक क्लास के दौरान थोड़ा गाना बजाना कर लिया करते थे। इसी कारण स्कूल के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी करने लगे। दसवी कक्षा के दौरान मुंबई में उन्होंने

तीन फिल्मों त्रिशूल, नास्तिक, रॉकी इत्यादि की शूटिंग को देखा तो उनके मन में काम करने का जज्बा पैदा हुआ। खासकर शूटिंग के दौरान सभी प्रमुख अभिनेता समेत सभी कलाकार निर्देशक से लेकर तकनीकी टीम को सम्मान देते हैं और निर्देशक के इशारे पर काम करते हैं। उन्होंने सम्मान की खातिर फिल्म जगत में किसी भी ऐसी भूमिका के लिए उत्सुकता महसूस की। इसलिए वह फिल्म निर्देशकों और प्रोड्यूसरों के दफ्तरों के चक्कर काटकर उनसे मेलजोल बढ़ाने लगे। फिल्म क्षेत्र में काम करने के लिए ही विजय तंवर ने सामाजिक कार्य में प्रोफेशनल मास्टर डिग्री, फिल्मोग्राफी, फिल्म मेकिंग में कोर्स भी किये। फिल्म निर्देशक विजय तंवर ने बताया कि ग्रेज्युएशन के दौरान कुछ प्रोड्यूसर, डायरेक्टरों से संबंध मजबूत हुए तो सहायक निर्देशक के रूप में काम मिल गया। हालांकि उन्होंने ऐसा कोई कोर्स तो नहीं किया था, इसलिए भरोसा जमाने के लिए चार पांच साल लग गये। उन्हें पहली फिल्म मिली तो उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उसके बाद पांच फिल्मों में काम किया, जिनमें दो रिलीज हो पाई। उनके सहायक निर्देशन में पहली रिलीज होने वाली फिल्म 'अधूरी सुहागरात' थी। दूसरी फिल्म मोहब्बत मेरा नसीब थी, जिसमें अनुपम खेर, सुरेश ओबरॉय, मोहनीश बहल, पुनीत इस्सर आदि रहे। इसके बाद बागी औरत फिल्म में उन्होंने काम किया। उन्होंने दूरदर्शन पर 52 एपिसोड का सीरियल 'दास्ताने हातिम ताई' किया। इसके बाद एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में तीन और सीरियल किये, जिनमें द ग्रेट मुगल, इन्तेहा और स्पेशल टास्क फोर्स के नाम शामिल हैं। उन्हें एक हरियाणवी फिल्म 'छोरी नट की' में भी काम करने का मौका मिला। तंवर को हिंदी फिल्म 'गुड्डू' में भी सहायक निर्देशक के रूप में काम करने का मौका मिला।

फिल्म कलाकार विजय तंवर का कहना है कि युवाओं को लोक कला संगीत, अभिनय संस्कृति के प्रेरित करना चाहिए, जिसके लिए वह भी करते आ रहे हैं। कला के माध्यम से ही संस्कृति हमारे जीवन में संगीत, नृत्य, नाटक, चित्रकला, सिनेमा, फोटोग्राफी रूप में अभिव्यक्ति पाती है। इस युग में युवाओ को लोक कला, संगीत, अभिनय, रंगमंच जैसी संस्कृति के लिए प्रेरित करना आवश्यक है, जो सामाजिक परिदृश्य को संरक्षित या मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है। भले ही नए तकनीक संचार के उपयोग के कारण युवा अधिक ध्यान दे रहे हों, लेकिन अपनी संस्कृति के मान सम्मान से ही वे अपनी सामाजिक विरासत को संजोए रख सकते हैं।

पुरस्कार और सम्मान

विजय तंवर के निर्देशन में समाज में बालिकाओं की स्वीकार्यता पर आधारित निर्मित लघु फिल्म 'दिशा' को 25 से भी ज्यादा फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार मिल चुके हैं। तंवर को मिले प्रमुख पुरस्कारों में दादा साहब फाल्के अवार्ड के अलावा मराठवाडा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल मुंबई, काशी इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, गंगटोक इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, एशियन टेलेंट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, रील्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, सेवन सिस्टर नॉर्थ ईस्ट इंटर नेशनल फिल्म फेस्टिवल, उमरेड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, जलगांव इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल तथा रोशनी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल आदि में पुरस्कार मिले हैं।

खबर संक्षेप

नारनौल। प्रभात फेरी में हिस्सा लेती महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

131वीं प्रभातफेरी का किया आयोजन

नारनौल। प्रभातफेरी संगठन की ओर से रविवार को 131वीं प्रभात फेरी का आयोजन सुबह साढ़े छह बजे मियां की सराय से किया गया। इसमें मुख्य यजमान बबली सैनी पत्नी धर्मवीर सैनी ने परिवार सहित ठाकुरजी की आरती करके सभी को चंदन तिलक लगाया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे बच्चे, बूढ़े, पुरुष, महिलाएं, नौजवान धर्म प्रेमी लोगों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचते, गाते, बजाते राधे नाम का जाप किया। प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर प्रभात फेरी मिया की सराय से शुभारंभ होकर पीरआगा, सलामपुरा, बावड़ीपुर में परिक्रमा करके प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुई।

टाइगर क्लब परिवार ने शहीदों को किया याद

नारनौल। शहीदी दिवस पर रविवार टाईगर क्लब परिवार ने शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। यह कार्यक्रम रविवार कौशिक मार्केट में आयोजित किया गया। टाईगर क्लब परिवार प्रधान राकेश यादव ने कहा कि राष्ट्र हमेशा वीर स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और सर्वोच्च बलिदान का ऋणी रहेगा, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। जवां उम्र में शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने देश की आजादी के लिए फांसी के फंदे को हंसते-हंसते गले लगा लिया था।

बैठक में सामाजिक उत्थान को लेकर हुआ मंथन

कनीना। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैमोरियल क्लब में रविवार को श्रीगौड़ सभा की ओर से बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता डॉ. अजीत शर्मा ने की। बैठक की कार्रवाई शुरू होने से पूर्व सभी सदस्यों ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस बैठक में पहुंचे सभी विप्रजनों ने समाज के उत्थान को लेकर विचार विमर्श किया। वहीं त्रिवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया को पूरा किया। बैठक में सभा के प्रधान डॉ. रविंद्र कौशिक व कोषाध्यक्ष सुरेश शर्मा ने पिछले समय का आय-व्यय को ब्यौरा दिया। भविष्य की कार्ययोजना को लेकर प्रबुद्धजनों ने अपने-अपने सुझाव भी दिए।

नांगल दर्गू में वार्षिक उत्सव समारोह मनाया

निजामपुर। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल दर्गू में वार्षिक उत्सव समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या कैलाश यादव ने की, जिसमें गांव के सरपंच पूरणमल मुख्य रूप से मौजूद रहे हैं। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी तथा नाटकों के माध्यम से युवाओं को सामाजिक कुरीतियों को मिटाने के लिए प्रेरित किया है।

उन्होंने कहा कि गांव के लिए सौभाग्य की बात है की केंद्र सरकार द्वारा हरियाणा में जो पीएम श्री स्कूल बनाए गए थे।

शहीदी दिवस पर सम्मान समारोह एवं देशभक्ति रागनी प्रोग्राम आयोजित

शहीदों की शहादत की बदौलत मतबूत लोकतंत्र के बीच ले रहे सांसः सांसद

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

शहीद भगत सिंह की देश के प्रति वफादारी और शहादत को कभी युवा भूल नहीं सकते। युवाओं को शहीद भगत सिंह को बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। आज का युवा नशे की तरफ बढ़ रहा है। परिवार की भी नहीं सुन रहा। हम सभी को मिलकर यह प्रयास करने चाहिए कि परिवार, समाज व देश के प्रति गंभीर रहे :सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह

नारनौल। बच्चों को सम्मानित करती भाजपा जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष भारती सैनी व सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि। फोटो: हरिभूमि

युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के संयुक्त प्रयासों से शहीदी दिवस पर रविवार को आईटीआई परिसर में शहीदों के सम्मान में सम्मान समारोह एवं देशभक्ति रागनी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह मौजूद रहे। विशष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष भारती सैनी ने उपस्थित दर्ज करवाई। इस दौरान शहीदी परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया गया। वहीं देशभक्ति गीतों से युवाओं में जोश देखने को मिला।

इस अवसर पर सांसद ने कहा कि आज शहीदों की शहादत की बदौलत ही हम यहां आजाद भारत में मतबूत लोकतंत्र के बीच सांस ले रहे है। जितनी आसानी से आजादी शब्द महसूस होता है, उसको धरातल पर देखे तो हजारों लोगों ने शहादत दी थी। शहीद भगत सिंह की देश के प्रति वफादारी और शहादत को कभी युवा भूल नहीं सकते। युवाओं को शहीद भगत सिंह को बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। आज का युवा नशे की तरफ बढ़ रहा है। परिवार की भी नहीं सुन रहा। हम सभी को मिलकर यह प्रयास करने चाहिए कि परिवार, समाज व देश के प्रति गंभीर रहे और मिलकर आगे बढ़े ताकि विश्व में भारत का नाम ऊंचा रहे। इसमें सबसे बड़ा योगदान युवाओं का ही रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा महिला जिला अध्यक्ष भारती सैनी ने कहा कि वह उस मां का नमन करती है, जिसने ऐसे शूरवीर योद्धा एवं देशभक्त को जन्म दिया। उनके संस्कार के बदौलत शहीद भगत सिंह को युवा पीढ़ी पूज रही है। वह युवाओं के लिए आदर्श है। युवाओं को भी चाहिए कि समाज को आगे बढ़ाने में वह अपना पूरा सहयोग करें। कार्यक्रम के दौरान माजरी धाम के सुमित गुरुजी ने दीप प्रज्वलित करके प्रोग्राम का शुभारंभ किया। मंच संचालन मास्टर केशरी नंदन ने किया। कार्यक्रम में हरियाणा के विभिन्न सुपरहिट कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। स्कूली बच्चों ने भी देशभक्ति पर सांस्कृतिक कार्यक्रम दिखाए। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा उरी हमले का नाटक सबसे लोकप्रिय रहा। शहीदों के परिवारों को भी सम्मानित किया गया। इसी के साथ जिले की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न सामाजिक व्यक्ति भी उपस्थित रहे। जिनको भी सामाजिक कार्यों में मनोबल बढ़ाने के लिए, सम्मानित किया गया। समारोह के अंत में आयोजक टींकू प्रधान व बिरेंद्र यादव ने अतिथि सहित आए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विनीत पिलानिया, सुमित गुरु, विपिन चौधरी, नगर परिषद के उपप्रधान संजय यादव, सैनी सभा के प्रधान बिशन सैनी व पूर्व प्रधान जयप्रकाश सैनी, वासुदेव यादव, कृष्णा यादव, रामनिवास सैनी, पार्षद मोहनलाल शर्मा, कपिल यादव व मुकेश शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि सुमेर कांडा, विनोद नंबरदार, नरेश पटीकरा, प्रमोद सरपंच, एडवोकेट सुरेश सरपंच, विनोद सैनी, मानसिंह सैनी, प्रिंसिपल अनिल यादव, मनोज सेकवाल, संजय शर्मा, जितेंद्र भारद्वाज सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

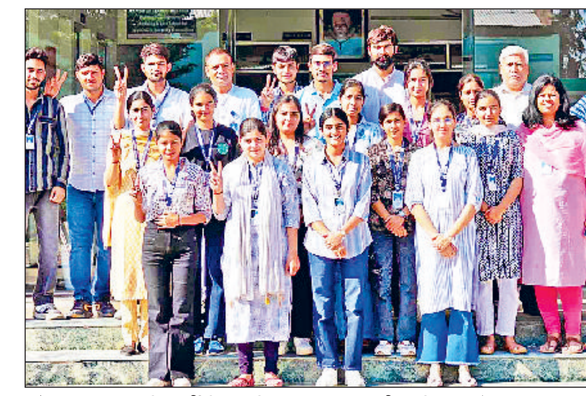

महेंद्रगढ़। सफल विद्यार्थी विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते हुए।

आरपीएस डिग्री कॉलेज से 34 विद्यार्थियों ने रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

38 से अधित विद्यार्थियों ने टॉप में स्थान पाया

आईआईटी दिल्ली द्वारा फरवरी में आयोजित आईआईटी जैम का परीक्षा परिणाम अभी हाल ही में घोषित हुआ, जिसमें कॉलेज में पढ़ते-पढ़ते 38 से अधित विद्यार्थियों ने टॉप में स्थान पाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। कॉलेज में एक सम्मान समारोह आयोजित कर सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रिंसिपल डॉ. देवेन्द्र कादयान ने कहा हर वर्ष की तरह आरपीएस डिग्री कॉलेज पूरे प्रदेश में आईआईटी जैम का बेहतरीन परीक्षा परिणाम दिया है। इस परिणाम में 34 से अधिक छात्र-छात्राओं का चयन हुआ जो हम सब के लिए गौरव की बात है। पीजी हैड वाईपी सिंह व डीन डॉ. हेमंत कुमार ने बताया कि मैथ्स में अवंतिका 452 रैंक, फिजिक्स में 520वां स्थान, निखिल 526वां रैंक, प्रनेश 538वां रैंक, दिव्या 774वां रैंक, लवली 1402वां रैंक, मैथ्स में अजय 800वां रैंक, इस प्रकार 34 से अधिक छात्र-छात्राओं ने कॉलेज के साथ-साथ अभिभावकों, शिक्षकों व अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा आईआईटी जैम में कॉलेज अपनी मेहनत के बल पर सदा इतिहास रचता रहा है। शिक्षकों की सकारात्मक मेहनत के परिणाम स्वरूप ऐसा संभव हो पाया है। अभिभावकों की सकारात्मक सोच शिक्षा स्तर को श्रेष्ठतम बना रही है। इस कार्यक्रम में डीन डॉ. हेमन्त कुमार, जैम कोचिंग प्रभारी वाईपी सिंह, विभागाध्यक्ष अर्चना साहू, डॉ. जितेंद्र जिंदल, डॉ. डीआर भारद्वाज, हंसराज, सोमबीर गंडास, राकेश कुमार, डॉ. अनील खटाना, विकास, पूनम, डॉ. शंकर शर्मा, डॉ. जितेंद्र गंगवार व प्रदीप कुमार उपस्थित रहे।

नेशनल मॉडल स्कूल में मनाया शहीदी दिवस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

नेशनल मॉडल स्कूल में शहीदी दिवस पर राजगुरु सुखदेव और भगत सिंह को प्राचार्य ओमप्रकाश यादव व संचालक प्रमोद शास्त्री ने पुष्पार्पित कर श्रद्धांजलि दी। प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने बताया 23 मार्च यह दिन हमें उन वीर सपूतों की याद दिलाता है, जिन्होंने अपने देश की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। विशेष रूप से यह दिन भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत को समर्पित है, जो न सिर्फ हमारे लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी देशभक्ति और बलिदान की मिसाल हैं। 23 मार्च 1931 को इन तीनों वीरों को ब्रिटिश हुकूमत ने फांसी दे दी थी, लेकिन क्या उन्होंने मौत को डरकर अपनाया? नहीं। उन्होंने हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूमा और अपने प्राणों की आहुति दी। उनका एक ही सपना था कि भारत को आजाद देखना। भगत सिंह ने कहा था कि यदि बहरों को सुनाना है तो आवाज को बहुत जोरदार होना पड़ेगा। उनका संघर्ष सिर्फ हथियारों तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने विचारों से भी अंग्रेजों के शासन को हिला दिया। वे चाहते थे कि भारत न केवल स्वतंत्र हो, बल्कि समाज में समानता और न्याय भी हो। हम आजाद भारत में सांस ले रहे हैं, लेकिन यह आजादी हमें मुफ्त में नहीं मिली। यह उन लाखों शहीदों की कुर्बानियों का परिणाम है। आज हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम भी अपने देश के विकास और सुरक्षा में योगदान देंगे।

महेंद्रगढ़। शहीदों के चित्र पर पुष्पार्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

यूएस सैनिक अकेडमी में हुई स्कालरशिप परीक्षा

मंडी अटेली। अटेली स्थित यूएस सैनिक स्कूल अकेडमी में छात्रवृत्ति स्कॉलरशिप प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस मौके पर मैनेजिंग डायरेक्टर प्रमोद कटारिया ने बताया कि परीक्षा का मुख्य उद्देश्य मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को लाभ पहुंचाने का है। छात्रवृत्ति कम एडमिशन परीक्षा में क्षेत्र के विभिन्न गांवों व शहर के सैनिक स्कूल, मिलिट्री स्कूल, नवोदय जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले कक्षा तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अकेडमी द्वारा इस स्कॉलरशिप टेस्ट में प्रथम स्थान आने पर ट्यूशन फीस 100 प्रतिशत, दूसरे स्थान आने पर 50 प्रतिशत व तीसरे स्थान आने पर 30 प्रतिशत तक फीस का लाभ दिया जाएगा। इस मौके पर प्रमोद वालिया, मनीषा कुमारी, राष्ट्रपाल, योगिता कुमारी व महेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

आरपीएस की स्कॉलरशिप परीक्षा में बच्चों का उमड़ा सैलाब

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। परीक्षा देकर बाहर आते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस विद्यालय में रविवार को स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा देने के लिए विद्यार्थियों का सैलाब उमड़ पड़ा। आरपीएस स्कूल से लेकर सतनाली चौक तक तथा इधर गांव खातोद व बलाना तक जाम की स्थिति बनी रही। परीक्षा में महेंद्रगढ़ जिले के साथ-साथ प्रदेश व दूसरे राज्यों से आए विद्यार्थियों ने काफी उत्साह के साथ भाग लिया। परीक्षा को लेकर विद्यालय प्रबंधन द्वारा विशेष तैयारियां की गई। विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यालय में हेल्प डेस्क की स्थापना की गई, जिन पर अभिभावकों के काफी भीड़ रही। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आज आरपीएस ग्रुप अभिभावकों के विश्वास को बनाए रखे हुए हैं। इसी का नतीजा है कि आज ग्रुप के बच्चे शिक्षा ही नहीं हर क्षेत्र आगे बढ़ रहे हैं। ग्रुप के सीईओ इंजी. मनीष राव ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक तबके के विद्यार्थियों को बिना किसी भेदभाव के सर्वोत्तम शिक्षा उपलब्ध करवाना है, जिससे समाज का प्रत्येक वर्ग ऊपर उठकर देश विदेश में अपना नाम रोशन कर सकें। डिप्टी सीईओ कुणाल राव ने बताया कि पहले समय हमारे क्षेत्र के लोगों द्वारा दूरदराज जाकर अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलवानी पढ़ रही थी।

महेंद्रगढ़। खिलाड़ियों को हाथ मिलवाते विजय यादव। फोटो : हरिभूमि

प्रतियोगिता में ओवरआल ट्रॉफी विजय इंटरनेशनल स्कूल के नाम

महेंद्रगढ़। विजय इंटरनेशनल स्कूल बलाना में हरियाणा राज्य सैम्बो बीच चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इसमें संपूर्ण हरियाणा राज्य से 10-12 वर्ष, 12-14 वर्ष, 14-16 वर्ष, 16-18 वर्ष तथा सीनियर वर्ग में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसका शुभारंभ संस्था संस्थापक महेंद्र सिंह द्वारा मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय चेयरमैन विजय यादव टूमना मुख्यातिथि रहे। मुख्यातिथि ने बताया कि विजय इंटरनेशनल स्कूल में ही जिला स्तरीय प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया था। प्रिंसिपल नत्थू सिंह ने बताया कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी शामिल करवाना चाहिए, जिससे उनके अंदर प्रतिस्पर्धा और आपसी भाईचारे की भावना उत्पन्न हो।

श्रीराम स्कूल में शिक्षकों को सीबीएससी शिक्षा बोर्ड के पैट्रन का दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। सीबीएससी शिक्षा पैट्रन से प्रशिक्षित शिक्षक स्टॉफ। हरिभूमि न्यूज

सीबीएससी शिक्षा बोर्ड के निर्देशानुसार श्रीराम सीनियर सकेंडरी स्कूल में शिक्षकों को आधुनिक शिक्षा पद्धति का प्रशिक्षण दिया गया है। जिसमें शिक्षकों को सरल और सुलभता पूर्वक बच्चों की पढ़ाई कराने के टिप्स दिए गए हैं। शिविर की अध्यक्षता संस्था के चेयरमैन अनिल एडवोकेट मांदी ने की, विकास चौधरी बतौर ट्रेनर मौजूद रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सीबीएससी शिक्षा बोर्ड ने विद्यार्थियों का किताबी बोझ कम करने का निर्णय लिया है। साथ ही शिक्षा को रोजगारमुखी, सरल एवं आधुनिक तकनीक से परिपूर्ण बनाया गया है। शिक्षकों को ऑब्जक्टिव सवालों पर फोकस करने का संदेश दिया है, कहा कि प्रतियोगिक परीक्षाओं में निबंधात्मक सवाल शामिल नहीं होते हैं। शैक्षणिक प्रक्रिया के दौरान ही प्रतियोगिक तैयारी कराने से विद्यार्थियों को विभिन्न परीक्षा देने में सुविधा रहेगी। नए शैक्षणिक सत्र में श्रीराम सीनियर सकेंडरी स्कूल को सीबीएससी बोर्ड ने मान्यता दी है, इसलिए शिक्षकों को बोर्ड शिक्षण व्यवस्था से प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने बताया कि स्कूल के कमरे, ग्राउंड, बसों तथा अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया है।

शहीदी दिवस पर प्रदेश स्तरीय एथलेटिक्स खेलों के लिए किया क्वालीफाई

ऊंची कूद लगाता खिलाड़ी।

मंडी अटेली। सातवीं हरियाणा राज्य सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन इसी माह 29-30 मार्च को चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार में होगा, जिसके लिए महेंद्रगढ़ की टीम का गठन रविवार को मॉडल संस्कृति स्कूल अटेली के खेल मैदान में किया गया। इस एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 16 वर्ष के ऊपर के महिला व पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में ट्रैक और फील्ड के सभी इवेंट करवाए गए, जिसमें 80 से अधिक खिलाडियों ने भाग लिया। जिन खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया है, वह अब 29-30 मार्च को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। यह जिला स्तरीय प्रतियोगिता अटेली खेल संघर्ष समिति और रेजांगला स्पोर्ट्स अकादमी के सहयोग से करवाई गई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डा. राकेश कुमार और अरुण मास्टर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए पहुंचे। इस मौके पर एथलेटिक संघ के सचिव प्रदीप यादव, एथलेटिक्स कोच सूरत गुर्जर, टाइगर सरपंच, गुरुदयाल, सूरज डीपीई, अनिल व नीलम कोच आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

देवयानी में आर्मी आफिसर बनने के दिए टिप्स

महेंद्रगढ़। देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल में बच्चों के कैरियर कांउसलिंग प्रोग्राम किया गया। जिसमें अतिथि के रूप में आए कैप्टन पकंज यादव इंडियन आर्मी ने बच्चों को बताया कि जो बच्चे आर्मी में आफिसर बनने का लक्ष्य रखते है। उनको पढ़ाई के साथ-साथ कम्यूनिकेशन स्किल, अनुशासन, टीम में काम करने की आदत, सहनशीलता जैसे गुणों का विकसित करना चाहिए। विद्यार्थी के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास एक दिन में नहीं होता। हमें स्कूल में होने वाली हर प्रकार की गतिविधियों मे भाग लेना चाहिए। साथ में आए सतीश खेड़ा ने कहा कि हमें अपनी मंजिल पाने के लिए हर रोज प्रैक्टिस करने की जरूरत है। बच्चे के लिए पढ़ाई जितनी जरूरी होती है।

राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 6वीं से 12वीं कक्षा के दाखिले के लिए चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

नारनौल। दाखिला के लिए जागरूकता अभियान में शामिल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

जिला मुख्यालय पर स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दाखिला अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें विद्यालय परिवार द्वारा पंपलेट, फ्लेक्स, वीडियो क्लिप आदि के माध्यम से छठीं से 12वीं कक्षा दाखिलों के लिए आमजन को प्रेरित किया जा रहा है। अध्यापकों द्वारा डोर टू डोर संपर्क किया जा रहा है जिसमें उन्हें विद्यालय की उपलब्धियां के बारे में बताया जा रहा है। गत वर्ष के बोर्ड परीक्षाओं में 20 से अधिक विद्यार्थियों ने मेरिट प्राप्त की। प्रतिवर्ष हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों की एनएमएमएस प्रतियोगिता में विद्यालय के 10 से अधिक विद्यार्थी 1200 प्रति माह की छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं, जो उन्हें 12वीं कक्षा तक मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त सुपर 100 एवं बुनियाद परीक्षा में विद्यालय के छात्र-छात्राएं प्रतिवर्ष शानदार प्रदर्शन कर रहे है, जिसमें एनईईटी, आईआईटी-जेईई, एनडीए के लिए मुफ्त कोचिंग दी जाती है। विद्यालय के छात्र जयंत पुत्र बाबूलाल ने आईआईटी गुवाहाटी में दाखिला प्राप्त किया। समीर पुत्र बाबूलाल ने आईआईटी प्रवेश परीक्षा में 99.03 परसेंटाइल प्राप्त किया। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सीएलएटी परीक्षा में विद्यालय के छात्र आदित्य पुत्र डॉ दीपक वर्मा ने 103 रैंक प्राप्त की है। मॉडल स्कूल के विद्यार्थी न केवल शैक्षिक क्षेत्र में अपितु सह-पाठयक्रम गतिविधियों में भी अपने विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। नौवीं कक्षा के छात्र चिराग ने राज्य स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम सत्र स्थान प्राप्त किया छात्र चिराग और ध्रुव ने आरबीआई द्वारा आयोजित क्विज प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया खेल के क्षेत्र में विद्यालय की छात्रा कोमल पुत्री अमर सिंह ने जूडो खेल प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर ब्रांज मेडल प्राप्त किया।

क्या कहती है प्राचार्य

इस संबंध में स्कूल प्राचार्य प्रोमिला यादव ने बताया कि जिला मुख्यालय पर स्थित गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सीबीएसई दिल्ली से मान्यता प्राप्त इस विद्यालय में विज्ञान कॉमर्स एवं कला तीनों संकाय हैं, जिसमें हरियाणा सरकार द्वारा सेंटा क्वालिफाइड स्टाफ अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। विद्यालय में बीपीएल परिवार के बच्चों के लिए निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था है।

बीआर स्कूल में ग्रेजुएशन-डे एवं पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित

महेंद्रगढ़। बीआर स्कूल सेहलंग में नर्सरी से कक्षा दो तक के छात्रों के लिए ग्रेजुएशन-डे एवं पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि हरियाणा शिक्षा बोर्ड के सेवानिवृत अधीक्षक वेदप्रकाश रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि, चेयरमैन हरीश भारद्वाज, प्रधानाचार्य डॉ. राममोहन वशिष्ठ, उप-प्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज ने मां सरस्वति के दीप प्रज्वलन के साथ किया। कार्यक्रम की शुरूआत कक्षा एक के छात्रों द्वारा प्रस्तुत थैंक यू माय टीचर्स, थैंक यू माय पेरेंट्स गीत से हुई। चेयरमैन हरीश भारद्वाज ने कहा कि ग्रेजुएशन सिर्फ एक सीढ़ी ऊपर चढ़ने की प्रक्रिया है।

खबर संक्षेप

मंडी अटेली। गणपति शिक्षा निकेतन स्कूल में छात्रवृत्ति परीक्षा देते हुए।

गणपति शिक्षा निकेतन में छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित

मंडी अटेली। गणपति शिक्षा निकेतन अटेली मंडी में रविवार को छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में करीब 4235 छात्रों ने भाग लिया। प्राचार्य सत्यवीर सिंह ने बताया कि इस परीक्षा के लिए 50 रुपये पंजीकरण फीस रखी गई, जिसमें 50 प्रश्न पूछे गए। प्रत्येक प्रश्न का एक नंबर था तथा परीक्षा का समय एक घंटे का रहा। परीक्षा में हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान तथा सामाजिक विषय रहे। छात्रों को उनकी कक्षा के हिसाब से चार ग्रुपों में बांटा गया था। संस्था के चैयरमेन डॉ. ललित यादव ने बताया कि इस परीक्षा में प्रत्येक ग्रुप में टॉप रहने वाले छह-छह छात्रों को इनाम दिया जाएगा।

मुकुंदपुरा में श्रीश्री 1008 सांवलदास का मेला 26 को

नारनौल। गांव मुकुंदपुरा में 26 मार्च को श्रीश्री 1008 बाबा सांवलदास महाराज के मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले से पहले 25 मार्च की रात्रि को जागरण होगा। सरपंच महेश कुमार घेघड़ ने बताया कि मेले में 51 रुपये से लेकर 31 हजार रुपये तक की कुश्तियां करवाई जाएंगी। इस मौके पर नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी एवं पूर्व मंत्री डा. अभय सिंह यादव मुख्यातिथि होंगे। सरपंच ने बताया कि इस मेले की तैयारियों में समस्त ग्रामवासी जुटे हुए हैं तथा वालंटियरों के रूप में ग्रामीण युवा निःशुल्क सेवा देंगे।

सतनाली। रक्तदान शिविर में रक्तदाता का हौसला बढ़ाते मुख्य अतिथि व अन्य।

रक्तदान शिविर में 41 यूनिट रक्त एकत्रित

सतनाली मंडी। शहीदी दिवस के अवसर पर विश्व हिन्दु परिषद एवं बजरंग दल प्रखण्ड सतनाली द्वारा कस्बे में जमुवाय माता मंदिर परिसर स्थित सामुदायिक भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। विहिप जिला सहमंत्री प्रवीण कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि डा. रीना यादव के नेतृत्व में आयोजित रक्तदान शिविर में 41 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

रोटरी क्लब ने शहीदी दिवस पर दी श्रद्धांजलि

नारनौल। अमर शहीद भगत सिंह की पुण्यतिथि शहीदी दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब नारनौल सिटी में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। शहीद भगत सिंह को याद करते हुए रोटरी क्लब प्रधान विनोद चौधरी ने कहा कि मात्र 23 वर्ष की छोटी आयु में देश की आजादी के लिए बलिदान होने वाले अमर शहीद सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे भारत मां के लाड़लों की शहादत को भुलाया नहीं जा सकता।

अधिकारी व कर्मचारी इस परेशानी को झेलकर भी अनभिज्ञ बने

तालाब बहादुर सिंह मार्ग निर्माण के चलते दिनभर रहता है जाम, बिजली कटौती जारी

विकास कार्य को सभी के लिए आवश्यक माना गया है, लेकिन नारनौल शहर में चल रहे विकास कार्य आजकल जनता के लिए आफत बने हुए हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। गोशाला रोड पर पुलिस लाइन के पास खंभे उखाड़ते निगम कर्मी व तालाबा बहादुर मार्ग पर सड़क निर्माण के दौरान लगा जाम। फोटो : हरिभूमि

शहरवासी आजकल रोड जाम की समस्या से जूझ रहे हैं। तालाबा बहादुर सिंह मार्ग की सड़क का निर्माण करते वक्त वाहन जाम में फंस रहे हैं और यह न केवल सड़क निर्माण करने वालों, बल्कि आसपास के दुकानदारों एवं आमलोगों के लिए आफत सिद्ध हो रहा है। रोड जाम ही नहीं, लोग खासकर गृहिणी दिनभर बिजली गुल रहने से खुद को मुसीबतों से घिरा पा रही हैं। इससे लोग भारी परेशान हैं।

उल्लेखनीय है कि विकास कार्य को सभी के लिए आवश्यक माना गया है, लेकिन नारनौल शहर में चल रहे विकास कार्य आजकल जनता के लिए आफत बने हुए हैं। शहर में आजकल पुलिस लाइन कॉर्नर के सामने से तालाब बहादुर सिंह रोड का निर्माण किया जा रहा है, जो महिला आईटीआई तक किया जाना है। यह सड़क सीमेंट कंकरीट से बनाई जा रही है। पहले से एकतरफ का लेयर तैयार किया जा रहा है, फिर दूसरी तरफ की सड़क को बनाया जा रहा है। सिस्टम तो ठीक है, लेकिन सड़क निर्माण की वजह से कई जगहों पर बेरिकेट डालकर सड़क को बंद करना पड़ता है। बस यही बंद आजकल लोग बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं, जिसे देखो वही स्कूटी, मोटरसाइकिल, टैंपों, ऑटो एवं कार लेकर दाएं-बाएं से निकलने की बजाए जहां सड़क निर्माण किया जा रहा है, वहीं से निकलना चाहते हैं, जो आफत यानि सड़क जाम का कारण बना हुआ है। जब तालाब बहादुर सिंह के पास गंदे नाले पर सड़क बनाई जा रही है, लेकिन वाहन चालक उस सड़क को छोड़ने को ही तैयार नहीं हैं। चाहे दोपहिया वाहन या तीन या चार पहिया गाड़ियां बस स्टैंड से गोशाला मार्ग होते हुए अनाज मंडी, नागरिक अस्पताल एवं रेलवे स्टेशन आदि को आने-जाने को तैयार नहीं हैं, जिस कारण पिछले एक सप्ताह से बार-बार यह रोड जाम हो रही है। पिछले दो दिनों, जबसे गंदे नाले पर निर्माण शुरू किया है, तब से हालात बहुत ज्यादा खराब हैं। वाहन चालक मार्ग बदलने की बजाए उसकी जगह से गुजरना चाहते हैं, जहां सड़क बनाई जा रही है। इसी कारण दो दिनों से इस मार्ग पर भारी जाम बना हुआ है और जाम में फंसने उपरांत व्हीकलों को न आगे करने को जगह छोड़ते हैं और न पीछे करने को। ऐसे में वाहन एक-दूसरे से सटकर एकदम फंस रहे हैं और परेशानी को आमंत्रित कर रहे हैं। इससे सड़क निर्माण में जुटे ठेकेदार एवं लेबर भी खूब परेशान हो रहे हैं, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं। अन्यथा प्रशासन एवं नगर परिषद के अधिकारी पुलिस की सहायता मांगकर इन निर्माणाधीन मार्गों को बंद करके इनसे वाहनों का कुछ समय के लिए आना–जाना प्रतिबंधित कर सकते थे, लेकिन सीटी एसएचओ समेत थाना एवं पुलिस लाइन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी इस परेशानी को झेलकर भी अनभिज्ञ बने हुए हैं।

खंभे बदलने पर रोड जाम एवं पॉवर कट

एकतरफ जहां बहादुर सिंह मार्ग का निर्माण किया जा रहा है, वहीं आजकल बिजली निगम भी पीछे नहीं रह रहा। निगम पिछले दो दिनों से गोशाला-पुलिस लाइन रोड पर बीच सड़क खड़े खंभों को उखाड़ने में लगा हुआ है। इस कारण न केवल सवेरे करीब 10 बजे बिजली काट दी जाती है और रात 8 बजे तक निरंतर कटी ही रहती है, जिससे लगभग आधा शहर प्रभावित हो रहा है। रेवाड़ी रोड, नागरिक अस्पताल, कैलाश नगर, आदर्श नगर एवं नई मंडी तक की बिजली कटी रहती है। सवेरे से रात के अंधेरे तक बिजली नहीं होने से जहां बिजली आधारित काम करने वाले दुकानदार परेशान हैं, वहीं गृहिणी भी मुश्किल में हैं। बिजली कटते लगातार दो दिन हो गए हैं, जबकि यह काम अभी और चलना है, क्योंकि नए खंभे लगाकर लाइनों को उन पर शिफ्ट किया जाना भी शेष है।

पर्यावरण संरक्षण में वनों की अहम भूमिका

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्व वन दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। कुलपति ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण में वनों की भूमिका अहम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी पौधारोपण किया। कुलपति ने कहा कि वन पृथ्वी के लिए जीवन रेखा के समान हैं। वनों के बिना हम न केवल वायु, जल और खाद्यान्न प्राप्त नहीं कर सकते, बल्कि जैव विविधता, जलवायु नियंत्रण, और प्राकृतिक आपदाओं से बचाव में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वनों का संरक्षण हमारे अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है।

रैली के माध्यम से दिया जल संरक्षण का संदेश

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई ने अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस के उपलक्ष्य में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए रैली का आयोजन किया। इस अभियान में एनसीसी कैडेट्स ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और जल बचाने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम के आयोजन में एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट रमेश कुमार और नरेश कुमार की उपस्थिति रही। रैली के दौरान कैडेट्स ने जल संरक्षण से जुड़े नारों के माध्यम से आमजन को पानी बचाने की प्रेरणा दी। एनसीसी अधिकारियों ने इस अवसर पर जल संकट की गंभीरता पर बोलते हुए कहा कि यदि हम अभी से पानी बचाने के प्रयास नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को भारी संकट का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने जल संरक्षण के विभिन्न उपायों को अपनाने की अपील की और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

मंडी अटेली। स्वास्थ्य शिविर में जांच करवाते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

स्वास्थ्य शिविर का आमजन ने उठाया लाभ

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव सलीमपुर में रविवार को एक निजी अस्पताल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन गांव की सरपंच आरती यादव की देखरेख में लगाया। शिविर में करीब 130 लोगों की निःशुल्क जांच की गई। शिविर में विभिन्न प्रकार की जांचें तथा दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया। डा. मनोज कुमार ने बताया कि प्रत्येक रविवार को वह अपनी टीम के साथ अटेली क्षेत्र के गांवों में निःशुल्क जांच शिविर लगाते हैं, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के गांवों में मेडिकल सेवा देना है। शिविर में गांव की सरपंच आरती यादव ने बताया कि जिस तरह से पर्यावरण और वातावरण प्रदूषित होते जा रहे हैं, लोगों में बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। आज भाग दौड़ भरी जिंदगी में हर कोई किसी न किसी बीमारी का शिकार हो गया है। शुगर व कैंसर जैसी बीमारियों ने लोगों को घेर लिया है। इस मौके पर मास्टर जसवंत सिंह, ओमप्रकाश, पूर्व पंच रामनिवास, रूड़मल, महेश, कैलाश, रवि पंच, देवेंद्र, मूर्ति देवी, सुनीता पंच, सरला पंच व स्नेहलता आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

नप ने 24 नागरिकों को थमाया नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- वाणिज्यिक स्थलों तथा सरकारी प्रॉपर्टी, रास्तों पर लोहे व स्टील के विज्ञापन फ्रेम व होर्डिंग लगाना गैरकानूनी

नगर परिषद क्षेत्र में वाणिज्यिक स्थलों (दुकान, होटल इत्यादि) पर लोहे व स्टील के विज्ञापन फ्रेम लगाकर उन पर स्वयं या दूसरों के लिए बैनर लगाकर प्रचार प्रसार करना गैरकानूनी है। इसी प्रकार शहर में सरकारी जगह पर यूनीपोल या लोहे के ढांचे बनाकर विज्ञापन लगाना, होर्डिंग, बैनर लगाकर प्रचार प्रसार करना भी नियमों के विरुद्ध है। ऐसा करने पर जुर्माना व सजा का प्रावधान है।

नगर परिषद ने ऐसे 24 मामलों में नागरिकों को नोटिस दिए हैं। यह जानकारी देते हुए नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी दीपक गोयल ने बताया कि नारनौल नगर परिषद द्वारा पिछले दिनों शहर में एक सर्वे करवाया गया था। इस दौरान यह पाया गया कि लोगों द्वारा अपने वाणिज्यिक स्थलों पर लोहे व स्टील के विज्ञापन फ्रेम लगाकर स्वयं या दूसरों के लिए प्रचार प्रसार किया जा रहा है। यह हरियाणा विज्ञापन नियम 2022 का उल्लंघन है।

उन्होंने बताया कि नगर परिषद द्वारा ऐसे 15 लोगों को सात दिन का नोटिस देकर सूचित किया गया है कि इन अवैध फ्रेम को सात दिन के अंदर-अंदर हटा लें अन्यथा इन सभी मामलों में हरियाणा विज्ञापन नियम 2022 के तहत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा जिन नागरिकों द्वारा शहर में सरकारी जगह पर यूनीपोल या लोहे के ढांचे बनाकर विज्ञापन लगाए हुए हैं या सरकारी खंभों व दीवारों पर होर्डिंग बैनर लगाकर प्रचार प्रसार किया जा रहा है उनको हरियाणा डिफेंसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट 1989 के तहत ऐसे नौ नागरिकों को 14 दिन का नोटिस देकर सूचित किया गया है।

इन सभी को इन अवैध यूनिपोल विज्ञापन फ्रेम, होर्डिंग बैनर इत्यादि को अपने स्तर पर हटाने को कहा गया है, अन्यथा इनके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्यवाही करेगी। ऐसे मामलों में छह माह की जेल अथवा 10 हजार रुपये का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।

महेंद्रगढ़। बैठक करते परिषद् के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

भारत विकास परिषद की नई कार्यकारिणी गठित

महेंद्रगढ़। भारत विकास परिषद शाखा की बैठक राजा मैरिज पैलेस में आयोजित की गई, जिसमें आगामी वित्त वर्ष के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस बैठक में श्री श्याम सुंदर सैनी को सर्वसम्मति से शाखा अध्यक्ष चुना गया। नवीन राव को सचिव व विनय खेड़ीवाला को सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष चुना गया। सभी चुने हुए सदस्यों ने दिए हुए पद स्वीकार करते हुए सभी सदस्यों को साथ लेकर कार्य करने की मंशा जाहिर की। इस बैठक में वर्तमान अध्यक्ष सुरेश सैनी, सचिव नीरज मित्तल, कोषाध्यक्ष संजय माधोगढ़िया, प्रांतीय उपाध्यक्ष भरत खुराना, नपा प्रधान रमेश सैनी, प्रवक्ता अमरसिंह सोनी, रतनलाल माधोगढ़िया, रामगोपाल मित्तल, ओमप्रकाश बचीनी वाले, ओमप्रकाश सैनी, पवन भारद्वाज, दलीप गोस्वामी, सरजीत यादव, रमेश टांक, इंद्रलाल शर्मा, ओमप्रकाश सैनी, महेंद्र दीवान, अश्वनी सोनी, सुरेश अरोड़ा, डॉ. शुभम कौशिक आदि उपस्थित रहे। चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में हितेंद्र बोहरा उपस्थित रहे। बैठक के तुरंत बाद जिला बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रीय व प्रांतीय कार्यकारिणी से महेंद्र शर्मा, अनिल बंसल, रामबिलास सिंगला, हितेंद्र बोहरा व जितेंद्र भारद्वाज ने अपने वक्तव्य व सुझाव दिए व सदस्यों को भारत विकास परिषद के कार्यों के बारे में विस्तार से समझाया।

राव जयराम डिग्री कॉलेज में सेमिनार आयोजित

सेमिनार में 40 प्रतिभागियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सेमिनार में अपने विचार रखते वक्ता। फोटो : हरिभूमि

राव जयराम डिग्री कॉलेज में बहुविषयक अनुसंधान में सामाजिक और वैज्ञानिक मुद्दे विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार के संरक्षक अध्यक्ष डॉ. हरिसिंह यादव, विशिष्ट अतिथि पंजाब सरकार के लोकपाल डॉ. रणवीर सिंह बतान उपस्थित रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त वक्ता डॉ. सत्यम प्रियदर्शी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान डॉ. शत्रुघ्न भारद्वाज ने भी महत्वपूर्ण भाषण दिया। इस सेमिनार में कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. हरिसिंह यादव ने कहा कि आज के युग में वैज्ञानिक और सामाजिक मुद्दे परस्पर जुड़े हुए हैं और इनका बहुआयामी अध्ययन आवश्यक है। संयोजक सुरेंद्र कुमार ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सोच और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने बहुविषयक अनुसंधान की आवश्यकता को स्पष्ट किया और इस सेमिनार को एक ऐतिहासिक कदम बताया। सचिव डॉ. शत्रुघ्न भारद्वाज ने कहा कि बहुविषयक अनुसंधान केवल अकादमिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका उपयोग समाज के विकास में भी किया जाना चाहिए। सेमिनार के समापन पर आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का धन्यवाद किया। संयोजक सुरेंद्र कुमार ने विशेष रूप से मुख्य अतिथियों और अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। यह सेमिनार राव जयराम डिग्री कॉलेज, महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक और अनुसंधान क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। प्रतिभागियों ने इसे एक ज्ञानवर्धक अनुभव बताया और इस तरह के और अधिक सेमिनार आयोजित करने पर बल दिया।

महिला आरक्षण की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

- महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. राजवती यादव के नेतृत्व में एकत्रित हुई महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। महिला आरक्षण की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करती महिलाएं।

महिला कांग्रेस द्वारा महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने की मांग को लेकर शहर में रविवार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष डॉ. राजवती यादव ने किया। इस दौरान विशेष रूप से महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सुधा भारद्वाज भी मौजूद रहीं।

यह प्रदर्शन पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस से शुरू होकर महावीर चौक तक पहुंचा। जहां प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए संसद और विधानसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने की मांग की। प्रदर्शन को नेतृत्व कर रही डॉ. राजवती यादव ने कहा कि महिलाओं को राजनीति और समाज में समान अधिकार मिलना चाहिए, जिससे वे अपनी आवाज को मजबूती से उठा सकें और देश के लोकतांत्रिक प्रक्रिया में प्रभावी भूमिका निभा सकें। प्रदेश अध्यक्ष सुधा भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा कि महिला आरक्षण विधेयक लागू होना महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस महिला सशक्तिकरण और समानता के लिए संघर्ष जारी रखेगी। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं और अपनी मांगों को मजबूती से रखा।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर संपन्न

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का सातवां एवं अंतिम दिन आध्यात्मिक ऊर्जा, देशभक्ति एवं सेवा भावना से परिपूर्ण रहा। समापन दिवस का शुभारंभ प्रभात फेरी से हुआ, जिसमें स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा जन-जागरूकता से संबंधित नारे लगाते हुए शहरवासियों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति प्रेरित किया। प्रातःकालीन सत्र में विशेष रूप से आमंत्रित शैलजा ने स्वयंसेवकों को अध्यात्मवाद से जोड़ने का सारगर्भित प्रयास किया। उन्होंने अनहदनाद विषय पर प्रशिक्षण देते हुए आत्मज्ञान की महत्ता बताई और राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से समाज सेवा की प्रेरणा दी। इस अवसर पर शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में शहीद भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

तैयारी | 30 मार्च से 6 अप्रैल तक आयोजित मेले को लेकर आपात व्यवस्था रहेगी अलर्ट मोड पर

नवरात्र मेले को लेकर दुर्गा माता मंदिर में दुरुस्त हो रही व्यवस्था

हरियाणा के अलावा अन्य प्रांतों से भी महासर पहुंचते हैं श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। मंदिर गढ़ी महासर का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

कनीना-अटेली मार्ग स्थित गांव महासर में दुर्गा माता शक्तिपीठ 'महेश्वरी' मंदिर में 30 मार्च से शुरू होने वाले चैत्र नवरात्र मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस मेले में दूरदराज से श्रद्धलु पहुंचते हैं। मंदिर के व्यवस्थापक रतनलाल व सुंदरलाल ने बताया कि धाम में नवरात्रों से पूर्व श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी है। उन्होंने बताया कि आगामी तीन-चार अप्रैल को मुख्य मेला आयोजित होगा। इस दौरान मंदिर 24 घंटे खुला रहेगा तथा छह अप्रैल को रामनवमी पर्व मनाया जाएगा। दुर्गा माता महेश्वरी की कुलदेवी के रूप में पूजा अर्चना की जाती है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों के अलावा यहां पर कलकता, मुंबई, दिल्ली, उतराखंड, राजस्थान, पंजाब से श्रद्धालु आते हैं। उनकी सुविधा के लिए मंदिर के व्यवस्थापक एवं कमेटी के सदस्य मेले की तैयारियों में जुट गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान पुजारी द्वारा मंदिर में वर्षभर अखंड भंडारे का आयोजन किया जाता है। जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण का कार्य प्रतिदिन होता है। मेले में दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बिजली-पेयजल सहित ठहराने की निःशुल्क व्यवस्था की गई हैं। माता मंदिर प्रांगण में 30 मार्च से नवरात्र मेला प्रारंभ होगा। इस अवसर पर महेश शर्मा, मुकेश शर्मा, संजय शास्त्री, उपस्थित थे।

मुंडन संस्कार तथा नवविवाहित जोड़े की पूजा-अर्चना का विधान

मेले के दौरान यहां पर नवजात शिशु का मुंडन संस्कार तथा नवविवाहित जोड़े की पूजा-अर्चना का विधान है। मेले के दौरान भंडारा भी लगेगा, जिसमें श्रद्धालुओं को शुद्ध घी से निर्मित प्रसाद वितरित किया जाएगा। मेले को लेकर मंदिर में साफ-सफाई एवं रेलिंग लगाने सहित तमाम व्यवस्था की जा रही है। प्रशासन की ओर से ड्यूटी मैजिस्टेट की नियुक्ति सहित सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएगें। मंदिर प्रांगण सहित गर्भगृह में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं वहीं अस्थाई पुलिस चैकी तथा चिकित्सकों की टीम भी अलर्ट मोड पर रहेगी। रेल प्रशासन की ओर से नवरात्रों में माता मंदिर में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए दो जोडी एक्सप्रैस ट्रेनों का कनीना खास व अटेली रेलवे स्टेशन में दो मिनट के लिए ठहराव किया जाएगा। मंदिर कमेटी ने श्रद्धालुओं से मंदिर के साथ लगते स्वच्छ जल के जलाशय को दूषित ना करने का आह्वान किया हैं।